

अध्यक्ष — श्री 108 स्वामी शारदानन्द गिरि जी महाराज
श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय

सम्बद्ध एवं अनुदानित—महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन, (म.प्र.) 450 006
 (मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार)

संचालित—श्री परमानन्द आश्रम ट्रस्ट, पोस्ट झूसी, प्रयागराज—211 019 (उ.प्र.)

E-mail - ssngvv@gmail.com

वार्षिक प्रतिवेदन वर्ष 2018—2019

श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय की स्थापना श्री परमानन्द आश्रम ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री स्वामी शारदानन्द गिरि जी महाराज द्वारा गुरु पूर्णिमा के अवसर पर दिनांक—07.07.1999 को की गयी थी। महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन से दिनांक—

01.04.2001 से विद्यालय को “वैदिक सस्वर उच्चारण की मौखिक परम्परा को अक्षुण्ण बनाए रखने की योजना” के अन्तर्गत इकाई के रूप में मान्यता प्रदान की गयी। महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन के द्वारा वर्ष 2004—2005 से विद्यालय को पाठशाला योजना में सम्मिलित कर गरिमा प्रदान की गयी। श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय के उद्देश्य निम्नलिखित हैं —



- (क) वेदादि प्राचीन संस्कृत वाङ्मय का अध्यापन।
- (ख) वेद पाठ की मौखिक परम्परा को अक्षुण्ण बनाने के लिये प्रयासरत रहना।
- (ग) बाल्यावस्था से वेदपाठ में पारंगत करना।
- (घ) वेद सभा, सम्मेलन, पारायण, विद्वानों का सम्मान, व्याख्यानमाला तथा प्रतियोगिता का आयोजन करना।



- (ङ) पुस्तकालय, प्रकाशन, वैदिक सनातन धर्मदर्शनका प्रचार प्रसार।
- (च) वेद—छात्र कल्याणकारी योजनाओं को चलाना, छात्रावास, छात्रवृत्ति उपलब्ध कराना।

- (छ) योग्य छात्रों को धर्मशास्त्र तथा कर्मकाण्ड में प्रशिक्षित करना।
- (ज) संस्कृत तथा अन्य भाषाओं का ज्ञान, आधुनिक विज्ञान, तथा गणित के साथ सामाजिक विज्ञान एवं आंग्ल भाषा, वैदिक विज्ञान का ज्ञान कराना।
- (झ) आधुनिक परिवेश को देखते हुये छात्रों को कम्प्यूटर तथा अन्य ट्रेनिंग दिलाने की सुचारु रूप से व्यवस्था की गयी।
- (ञ) सम्मानजनक जीविकोपार्जन तथा नियुक्तियों में परामर्श की सुविधा प्रदान की जाती है।
- (ट) वैदिक सनातन जीवनदृष्टि के अनुकूल समाज तथा बाह्यान्तरिक प्रकृति का विकास विश्वकल्याण के कार्य हेतु भिन्न-भिन्न प्रकार के क्रियाकलाप क्रियान्वित किये जाते हैं।

उपर्युक्त उद्देश्यों की पूर्ति हेतु श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय, महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान के सहयोग से उत्तरोत्तर प्रगति की ओर अग्रसर है। प्रतिवेदनाधीन वर्ष के दौरान संस्था के



माननीय अध्यक्ष श्री स्वामी शारदानन्द गिरि जी महाराज के निर्देशन में विद्यालय के सभी छात्रों के सर्वाङ्गीण विकास तथा बौद्धिक क्षमता के संवर्धन के लिये अनेक प्रयास किये गये—

1. गुरुपूर्णिमा आषाढ़ मास की पूर्णिमा को गुरुपूर्णिमा कहते हैं। इस दिन गुरु पूजा का विधान है। गुरु पूर्णिमा वर्षा ऋतु के आरम्भ में आती है। इस दिन से चार महीने तक परिव्राजक साधु-सन्त एक ही स्थान पर रहकर ज्ञान की गंगा बहाते हैं। ये चार महीने मौसम की दृष्टि से सर्वश्रेष्ठ होते हैं।

वार्षिक स्थापना दिवस पर परम्परागत रूप से प्रतिवर्ष की भौति प्राचीन वैदिक परम्परा एवं गुरु शिष्य परम्परा को अक्षुण्य गति प्रदान करने के लिये इस गुरुपूर्णिमा पर गुरु का पूजन किया गया। इस वर्ष श्री स्वामी



नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय की साधारण सभा एवं प्रबन्धकारिणी समिति की महत्वपूर्ण

बैठक आयोजित की गयी। जिसमें संस्था द्वारा किये गये एवं किये जा रहे कार्यों के प्रति सभी माननीय सदस्यों द्वारा संतोष व्यक्त किया गया एवं प्रशंसा की गई। वेद पाठशाला में पठन-पाठन के स्वरूप एवं संचालन की भूरि-भूरि प्रशंसा की गयी। विद्यालय में संचालित शुक्लयजुर्वेद, सामवेद और अथर्ववेद की शाखाओं का सस्वर वेद पाठ अध्यक्ष महोदय एवं उपस्थित अतिथियों के समक्ष किया गया, सभी ने छात्रों के वेदाध्ययन की प्रगति की प्रसन्नचित्त ढंग से सराहना की।

2. आधुनिक दौर में सभी के लिये कम्प्यूटर का ज्ञान एवं आधुनिक विषयों (संस्कृत, सामाजिक, अंग्रेजी तथा गणित)का ज्ञान होना,विकास, एवं रोजगारपरकता को बढ़ाता है। प्रतिस्पर्धात्मक चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए वेद छात्रों के लिये भी कम्प्यूटर साक्षरता तथा आधुनिक विषयोंके महत्व एवं अनिवार्यता को नकारा नहीं जा सकता। आधुनिक दौर में वेद वेदांगों सहित आधुनिक विषयों एवं सम्यक् तकनीक का ज्ञान होना अत्यन्त आवश्यक है। कम्प्यूटर ज्ञान तथा आधुनिक विषयों से वेद छात्रों का जहां सशक्तिकरण होगा वहीं उनकी योग्यता तथा आत्मविश्वास दोनों में वृद्धि होगी। इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए अप्रैल 2006 से प्रारम्भ हुए वेद विद्यार्थियों के कम्प्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम में सराहनीय प्रगति हुई है। वेद पाठशाला में निजी स्रोतों की सहायता से आधुनिक कम्प्यूटर सेट के साथ प्रिंटिंग उपकरण भी स्थापित किये गये हैं ताकि वैदिक बटुकों को कम्प्यूटर शिक्षा के अन्तर्गत छात्रों को कम्प्यूटर परिचय, कम्प्यूटर टंकण (हिन्दी एवं अंग्रेजी), कम्प्यूटर की उत्पत्ति एवं उसका विकास, Internet & Multimedia,कम्प्यूटर हार्डवेयर, साफ्टवेयर एवं उसके प्रकार एवं अनुप्रयोग आदि का ज्ञान प्राप्त हो सके तथा जरूरत पड़ने पर इनका कार्यालय आधुनिकीकरण में भी उपयोग किया जा सके। आलोच्य वर्ष की भांति वर्तमान वर्ष में वेद पाठशाला में कम्प्यूटर शिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संचालित किया जा रहा है।इसके अलावा महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान से अपेक्षा है कि वह अपने स्तर पर सभी पाठशालाओं के लिये कम्प्यूटर प्रशिक्षण हेतु आर्थिक सहयोग उपलब्ध करायेगा।

3. भाद्रकृष्णषष्ठी के अवसर पर प्रातःस्मरणीय परम पूज्य ब्रह्मलीन श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि जी की पुण्य-स्मृति के अवसर पर देश के विभिन्न भागों से उपस्थित भक्तों के समक्ष वेदपाठी छात्रों द्वारा वेद ऋचाओं के सस्वर वेदपाठ, संगीतमय स्तोत्रपाठ तथा अन्य कार्यक्रमों का प्रस्तुतिकरण किया



गया। पूज्यपाद प्रातःस्मरणीय श्री स्वामी शारदानन्द गिरि जी महाराज ने वेद छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना की और छात्रों को जीवन में निरंतर प्रगति करने का आशीर्वाद दिया।

4. श्रीकृष्ण जन्माष्टमी भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव है। श्रीकृष्ण ने अपना अवतार भाद्रपद की कृष्णपक्ष की अष्टमी तिथि को मध्यरात्रि को अत्याचारी कंस का विनाश करने के लिये मथुरा में जन्म लिये। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के शुभवसर पर विद्यालय में वैदिक बटुकों द्वारा बाल गोपाल के जन्म की भव्य झांकी सजायी गयी और “कृष्णाष्टकम्, “गोविन्दाष्टकम् “गोपी मंगल गीत” एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा भगवत् स्तुति का पाठ किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार द्वारा विधिपूर्वक भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव मनाया गया। भजन—कीर्तन इत्यादि के साथ भगवान के अवतरण का अनेक अतिथियों एवं भक्तगणों द्वारा स्वागत किया गया।



5. 15 अगस्त, 2018 दिन गुरुवार को प्रातः 8 बजे श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय, श्री परमानन्द आश्रम ट्रस्ट, झूंसी, इलाहाबाद के प्रांगण में स्वतन्त्रता दिवस के परिप्रेक्ष्य में आश्रम के वयोवृद्ध मुख्य ट्रस्टी श्री बृजमोहन धीरजी के द्वारा ध्वजारोहण किया गया। जिसमें विद्यालय के अध्यापकगण, छात्रगण, भक्तगण एवं गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही। ध्वजारोहण के उपरान्त छात्रों द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। इसके पश्चात् मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन से सभी को संबोधित किया।



6. 23 सितम्बर, 2018 दिन शुक्रवार को स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यालय के प्राचार्य श्री ब्रजमोहन पाण्डेय के निर्देशन में समस्त अध्यापकों एवं छात्रों के द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी लोगों को संकल्पित किया गया। इस कार्यक्रम को निरंतरता प्रदान करने के लिये विशेष सफाई कार्य का आयोजन किया गया तथा विद्यालय प्रांगण एवं आस-पास के स्थान को सभी के सहयोग से स्वच्छ एवं निर्मल बनाया गया।

7. 02 अक्टूबर, 2018 दिन रविवार को भारत सरकार के निर्देशानुसार स्वच्छता अभियान के तहत श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय में भी स्वच्छता अभियान को ध्यान में रखते हुये विद्यालय के प्राचार्य, अध्यापकों एवं छात्रों के द्वारा स्वच्छता के मूलमन्त्रों का अवलम्बन करते हुये अपने परिश्रम के द्वारा स्वच्छता अभियान कार्यक्रम को सफल बनाया गया। इस मौके पर स्थानीय लोगों को भी स्वच्छता के लिये प्रेरित किया गया तथा सफाई अभियान में सभी ने हिस्सा लिया।



8. 23.09.2018 से 06.10.2018 तक संस्कृत संभाषण शिविर का आयोजन उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ द्वारा किया गया जिसमें प्रषिक्षक—डॉ. शेषनारायण त्रिपाठी एवं श्री गणेशदत्त द्विवेदी जी द्वारा छात्रों को कुशल प्रषिक्षण दिया गया है।



15 दिवसात्मिका कार्यशाला का समापन वैदिक मंगलाचरण एवं सरस्वती दीप प्रज्ज्वलन के उपरान्त सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि—डॉ. शालिग्राम त्रिपाठी (उत्तर प्रदेश संस्कृत शिक्षा परिषद सदस्य) ने बताया कि संस्कृत गृहभाषा, समाजभाषा, राजभाषा और राष्ट्रभाषा होनी चाहियें हमें संस्कृत में ही सारी दिनचर्यायें करनी चाहियें। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि— श्री रवीन्द्र सिंह (मण्डलीय उपनिरीक्षक संस्कृत विद्यालय) ने बच्चों का मार्गदर्शन किया इस अवसर पर कार्यक्रम के सारस्वत अतिथि, श्री शम्भू नाथ त्रिपाठी, प्राचार्य त्रिवेणी संगम, दारागंज ने संस्कृत भाषा की बारीकियों एवं व्यवहार में लाने का आवाहन किया। विद्यालय के प्राचार्य ब्रजमोहन पाण्डेय ने आगत अतिथियों का स्वागत एवं आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन रमा न्यौपाने ने किया। इस अवसर पर विद्यालय के छात्रों द्वारा गीत, श्लोक, स्तोत्र प्रहसन इत्यादि सोत्साहपूर्वक प्रस्तुत किये गये।



9. तुलसी विवाह कार्तिकमास की देव प्रबोधिनी एकादशी को तुलसी विवाह के रूप में मनाया जाता है। इस दिन शालिग्राम और तुलसी जी का विवाह कराकर पुण्यात्मा लोग कन्या दान का फल प्राप्त करते हैं। तुलसी के पौधे को पवित्र एवं पूजनीय माना जाता है। प्राचीन काल से चले आ रहे तुलसी विवाहोत्सव आयोजन को समस्त ग्रामीण, आश्रमवासी व विद्यालय के आचार्यादि सहित वैदिक छात्रों द्वारा वैदिक मन्त्रोच्चारपूर्वक सम्पन्न किया गया। इसी उपक्रम में तुलसी का वैशिष्ट्य, महत्व तथा समाज में उपादेयता के विषय को भी लेकर परिचर्चा की गई।



10. 22 अक्टूबर, 2018 वाल्मीकी जयन्ती—महर्षि वाल्मीकी जयन्ती के अवसर पर उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ द्वारा मण्डल स्तरीय संस्कृत प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।



उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि श्री देवेन्द्र कुमार सिंह (प्रधानाचार्य) राजकीय-इण्टर कालेज प्रयागराज, विशिष्ट अतिथि प्रो. सुरेन्द्र पाल सिंह (संस्कृत विभाग अध्यक्ष) सी.एम.पी.,

महाविद्यालय प्रयागराज, सारस्वत अतिथि श्रीचन्द्रदेव मिश्र, कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. रवीन्द्रनाथ शुक्ल (अध्यक्ष उ.प्र. संस्कृत शिक्षक संघ) ने किया। सरस्वती वन्दना श्री गोपालकृष्ण मिश्र जी सह-संयोजक संस्कृत भारती द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में कहा कि संस्कृत क्षेत्र में उत्साह की आवश्यकता है तथा प्रतियोगी परीक्षाओं में संस्कृत को सम्मिलित करके संस्कृत के महत्व को बढ़ाना चाहिये। कार्यक्रम का संचालन डॉ. शम्भूनाथ त्रिपाठी पूर्व प्राचार्य, त्रिवेणी संस्कृत महाविद्यालय, दारागंज, प्रयागराज द्वारा किया गया।



समापन सत्र में मुख्य अतिथि प्रो. कृष्ण बिहारी पाण्डेय (पूर्व अध्यक्ष)

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग, विशिष्ट अतिथि मा. शिवेन्द्र कुमार मिश्र (सिविल न्यायाधीश)

जनपद न्यायालय प्रयागराज आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. मुरार त्रिपाठी (प्रधानाचार्य) सर्वार्य-इण्टर कालेज-प्रयागराज ने किया। मुख्य अतिथि जी द्वारा विजेता छात्रों को प्रदेश स्तर में विजयी होने की शुभकामनाएं प्रदान की गयीं। जिसमें 100 से अधिक प्रतिभागियों ने संस्कृत भाषण, संस्कृत गीत, श्लोक अन्त्याक्षरी, प्रतिभा प्रदर्शन प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग किया। प्रतियोगिताओं में मण्डल स्तर में प्रथम विजेता को 5100/-रु., द्वितीय विजेता को 3100/-रु., तृतीय विजेता को 2100/-रु. तथा सांत्वना पुरस्कार 1100/-रु. उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ द्वारा दिया गया।

11. राष्ट्रीय शिक्षा दिवस : 11 नवम्बर, 2018 शिक्षा दिवस के रूप में विद्यालय प्रांगण में मनाया गया। यह दिवस भारत सरकार के पहले शिक्षा मंत्री एवं भारत रत्न से सम्मनित मौलाना अबुल कलाम आजाद की याद में प्रत्येक 11 नवम्बर को मनाया जाता है। जिसमें विद्यालय के समस्त अध्यापकों ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर छात्रों की निबंध लेखन, चित्रकला, भाषण आदि जैसे प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

12. कुम्भ पर्व विश्व का सबसे बड़ा सांस्कृतिक एवं धार्मिक आयोजन है। अर्द्धकुम्भ मेला 2019 का आयोजन प्रयागराज में किया गया। जो 15 जनवरी से 04 मार्च तक चला। प्रयागराज में 'कुम्भ' कानों में पड़ते ही गंगा, यमुना एवं सरस्वती का पावन सुरम्य त्रिवेणी संगम मानसिक पटल पर चमक उठता है। पवित्र संगम स्थल पर विशाल जन सैलाब हिलोरे लेने लगता है और हृदय भक्ति-भाव से विहवल हो उठता है। श्री अखाड़ों के शाही स्नान से लेकर सन्त पंडालों में धार्मिक मंत्रोच्चार, ऋषियों द्वारा सत्य, ज्ञान एवं तत्वमिमांसा के उद्गार, मुग्धकारी संगीत, नादो का समवेत अनहद नाद, संगम में डुबकी से आप्लावित हृदय एवं अनेक देवस्थानों के दिव्य दर्शन प्रयागराज कुम्भ की महिमा भक्तों को निदर्शन कराते हैं।



हिंदू धर्म के अनुसार मान्यता है कि किसी भी कुम्भ मेले में पवित्र नदी में स्नान या तीन डुबकी लगाने से सभी पुराने पाप धुल जाते हैं और मनुष्य को जन्म-पुनर्जन्म तथा मृत्यु-मोक्ष की प्राप्ति होती है।

कुंभ को लेकर भिन्न-भिन्न प्रकार की कहानियां हैं। लेकिन इसका महत्व धार्मिक और ज्योतिषीय दोनों है। खगोल गणना के अनुसार कुंभ का आयोजन मकर संक्रांति के दिन शुरू होता है, जब सूर्य और चंद्रमा, वृश्चिक राशि में और बृहस्पति मेष राशि में प्रवेश करते हैं। कुंभ को लेकर कई प्रकार की मान्यताएं हैं। ऐसा माना जाता है कि इस दिन स्वर्ग के दरवाजे खुलते हैं। कुंभ के दौरान गंगा में स्नान करने वाली आत्मा को स्वर्ग की प्राप्ति आसानी से हो जाती है। कुंभ स्नान का अदभुत संयोग करीब तीस सालों बाद बना।

इस अवसर पर श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय, श्री परमानन्द आश्रम ट्रस्ट में भी देश-विदेश से श्रद्धालुओं का आगमन हुआ। कुंभ मेले में विद्यालय और आश्रम के अध्यापकों एवं वेदपाठी छात्रों द्वारा पूरे कुंभ मेले के दौरान निःशुल्क चाय, नाश्ता एवं भोजन आदि का वितरण किया गया।

12. 26 जनवरी, 2019 गणतन्त्र दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि श्री 1008

महामण्डलेष्वर स्वामी प्रेमानन्द गिरि जी महाराज के द्वारा वेद विद्यालय के प्रांगण में ध्वजारोहण किया गया तथा छात्रों को राष्ट्र के प्रति एवं अपने संविधान के प्रति आस्था रखने की शपथ दिलाई गई। इस दौरान भारतीय



संविधान के साथ-साथ वेदाध्ययन के महत्व पर विशेष प्रकाश डाला गया। छात्रों द्वारा प्रस्तुत किये गये सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सराहना करते हुए श्री प्राचार्य जी ने सभी को अपने आशीर्वचनों से अभिसिंचित किया एवं छात्रों का उत्साहवर्धन करते हुए पुरस्कार वितरण किया। प्रसाद स्वरूप फल, मिष्ठान के वितरण के बाद समारोह का समापन किया गया।

13. 10 फरवरी, 2019 वसन्त पंचमी के अवसर पर छात्रों द्वारा मां सरस्वती देवी की

प्रतिमा का पूजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त अध्यापक एवं छात्रों द्वारा पूजन-अर्चन सम्पन्न किया गया। जिससे छात्रों में अध्ययन के लिये शक्ति का संचार निरंतर बना रहे।



14. दिनांक 13, 14 एवं 15 मार्च 2019 को महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन के द्वारा श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय में प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ,

पंचम, षष्ठ वर्ष में अध्ययनरत वेद छात्रों की वार्षिक परीक्षा (लिखित, मौखिक) का केन्द्र स्थापित कर गुरु-शिष्य परम्परा/पाठशाला योजना के वेद छात्रों की वार्षिक परीक्षा हेतु निर्देश दिया गया।

इस दायित्व का विद्यालय ने सम्यक् रूप से निर्वहन किया। जिसमें म.सा.रा.वे.विद्या प्रतिष्ठान, द्वारा नियुक्त प्रेक्षक प्रो. अमलधारी सिंह जी के निर्देशन में प्रतिष्ठान द्वारा नियुक्त गुणी परीक्षकों की सहायता से सम्पन्न कराया गया। केन्द्र व्यवस्थापक श्री ब्रजमोहन पाण्डेय एवं सह-केन्द्र व्यवस्थापक श्री अवनि कुमार सिंह के सहयोग से परीक्षा कार्य सम्पन्न कराया।



परीक्षा में क्षेत्रीय स्तर पर विभिन्न वेद पाठशालाओं और ईकाइयों के वेद छात्रों की परीक्षा नियुक्त परीक्षकों द्वारा ली गई। परीक्षा में उपस्थित हुए सभी परीक्षकों, प्रेक्षक एवं केन्द्र पर उपस्थित समस्त अध्यापकों एवं वेद छात्रों की लिखित एवं मौखिक परीक्षा के दौरान दोनों पालियों में नाश्ते एवं भोजन की उत्तम व्यवस्था की गई। परीक्षा में उपस्थित सभी परीक्षकों एवं प्रेक्षक को वेद निधि वैदिक हैरिटेज रिसर्च फाउण्डेशन, डुमरांव बाग, अस्सी, वाराणसी द्वारा आभार प्रदर्शित करते हुए शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया।


